2008 तक बढ़ा दिया गया है ...

जनता की आवाज दबाने का प्रयास

भरवान(हरदोई) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भरावन पर एक सप्ताह पूर्व सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों में खलभली मचनी प्रारम्भ हो गयी थी। तभी से उनकी मंशा जन सुनवाई को असफल करने का प्रयास प्रारम्भ हो गया था। वैसे तो गत माह आशा साप्ताहिक समाचार पत्र में क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था से पीड़ित जन समस्याओं का खुलासा होने पर ही प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र के डॉक्टर अन्य सम्बंधित कर्मचारियों में बौखलाहट उजागर होनी प्रारम्भ हो गयी थी जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने क्षेत्र के दबंग लोगों से सम्बन्ध बनाना और समाचार पत्र के प्रभारी को धमकियाँ दिलाना प्रारम्भ कर दिया था तब से स्वास्थ केन्द्र के डॉक्टर निरंतर सच्चाई को दबाने का भरसक प्रयास करते रहे हैं। सामान्य जनता अपनी आवाज न निकाल सके और सच उजागर न हो सके इस लिए आशा साप्ताहिक समाचार पत्र पर लगातार दबाव बनाने का भी प्रयास किया जाता रहा हैं। क्षेत्र के उच्च वर्ग व दबंगों को विस्वास में लेकर उन्हें आगे कर सामान्य जनता को मुँह खोलने से रोकने का हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है और इन सबके बीच में वर्षो से दबी कुचली पग–पग पर उत्पीड़न, शोषण का शिकार हुई सामान्य व निर्धन वर्ग की जनता अपना मुँह कैसे खोले यही हाल इस जन सुनवाई में भी हुआ। ये दोनों ताकते डाक्टर के पास उपलब्ध थी। जन सुनवाई का टेंट लगते ही उसे उखाड़ फेंकने का प्रयास जारी हुआ जिसमें आशा परिवार के कार्यकर्ताओं से झड़प भी की और साथ ही पुलिस को फोन कर जन सुनवाई न होने देने का प्रयास किया गया। आशा परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा उंच्चधिकारियों से फोन से वार्ता के उपरांत स्थिति कुछ सामान्य हुई लेकिन फिर भी जन सुनवाई में आयी सामान्य जनता महिलाओं पर आशा बहुओं, एवं एन0एम0, डाक्टर व अन्य द्वारा बराबर नजर रखी जा रही थी उन्हें बराबर दबाव में लाने का प्रयास किया जाता रहा। जिससे बाहरी गांवों से आयी हुई कुछ जनता को मुँह खोलने से रोकने का प्रयास किया गया। रामकली पत्नी जुम्मन लाल–गोटइया ने बताया कि तीन वर्ष नसबंदी आपरेशन कराये हुए फिर भी उन्हें बच्चा हुआ। किरन पत्नी मुन्नीलाल, सुन्दारा, भगवादेई, विद्यादेवी, रामदुलारी, शन्तिदेवी, रेखा आदि छावन की बीसों महिलाओं ने आपरेशन के बाद भी बच्चे होने और बाद में बिगड़ते स्वास्थ्य की दवाएँ न मिलने की शिकायतें बतायी। मेंहदी हसन, निवासी लालपुर, गुरू प्रसाद–छावन आदि ने बताया कि दवाएँ बाहर से लिखी जाती हैं। नन्ही देवी पत्नी बृजलाल निवासी कसियापुर ने बताया कि उसे डेढ़ वर्ष नसबंदी आपरेशन कराये हुए उसे बाद भी बच्चा हुआ है और पेट में सूजन होन पर डाक्टर ने दवाएँ नहीं दी उन्हें अभद्रता से भगा दिया गया। कमला देवी पत्नी मुन्ना निवासी–अतरौली ने बताया कि वह 6 माह से शरीर में सूजन होने से बेहद बीमार है फिर भी दवा नही दी गयी। आशा परिवार के कार्यकर्ता पुत्तन लाल निवासी–गोटइया ने बताया कि 4 फरवरी 2008 को रीना पत्नी रानूपासी को दिखाने आये तो दवाएँ बाहर से लिखी गयी और 250 रूपयों की मांग डाक्टर ने की और कहा कि सभी से रूपये लेता हूँ। तुम भी दो।''राम कुमारी पत्नी राम सहाय निवासी–सांडा दखिलौल ने बताया कि नसबंदी आपरेशन कराये 3 वर्ष हुए उसके बाद भी 2 लड़कियाँ हुई हैं हमने तो आपरेशन बच्चे न होने के लिए कराया था,। समाज में हमारी बदनामी भी

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भरावन

शेष पृष्ठ 2 पर ....